

कैलिफोर्निया के अतीत के सहारे वर्तमान जलवायवीय चुनौतियों पर प्रकाश

प्रलिमिंस के लिये:

वनागन्नि, प्लेइस्टोसनि/अत्यंत नूतन युग, ला बरे टार पटिस, होलोसीन/अभिनव युग, **भू-वैज्ञानिक काल मापकरम**, मैमथ, वशाल भालू, भयानक भेड़िये, ऊँट

मेन्स के लिये:

भवषिय में बड़े पैमाने पर वल्लिपुत्तको रोकने की प्राथमिकता

चर्चा में क्यों?

मानव-जननि **जलवायु परिवर्तन** और वधितनकारी भूमिप्रबंधन प्रथाओं के कारण घातक **वनागन्नि** की घटनाओं की व्यापकता बढ़ गई है। हाल ही में कथिा गया एक नवीन अध्ययन **प्लेइस्टोसनि युग** के दौरान कैलिफोर्निया के इतिहास पर प्रकाश डालता है, पृथ्वी **60 मिलियन से अधिक वर्षों में** वर्तमान में सबसे बड़ी वल्लिपुत्तकी आपदा के साथ-साथ गंभीर **जलवायु परिवर्तन** का भी सामना कर रही है।

प्लेइस्टोसनि युग:

- यह भू-वैज्ञानिक युग है जिसकी कालावधि लगभग **2,580,000 से 11,700 वर्ष पूर्व तक** है, इसमें पृथ्वी पर **हमिनदीकरण की सबसे हालिया** अवधि शामिल है।
 - प्लेइस्टोसनि युग के दौरान वैश्विक शीतलन या हमियुग की सबसे हालिया घटनाएँ घटित हुईं।
- इस युग में हमियुग के वशाल जीव शामिल थे, जैसे- **वूली मैमथ** (मैमथस प्रमिजिनयिस), **वशाल भालू**, **भयानक भेड़िये और ऊँट**, इनमें से कई प्लेइस्टोसनि युग के अंत में वल्लिपुत्त हो गए।
 - इसके परिणामस्वरूप काफी नुकसान हुआ, उत्तरी अमेरिका में 97 पाउंड से अधिक वजन वाले **70% से अधिक**, दक्षिण अमेरिका में **80% से अधिक और ऑस्ट्रेलिया में लगभग 90%** स्तनधारी वल्लिपुत्त हो गए।
- प्लेइस्टोसनि युग का अंत **होलोसीन युग की शुरुआत का भी प्रतीक है, यह वर्तमान युग है जिसमें हम रह रहे हैं।**

अध्ययन की प्रमुख वशिषताएँ:

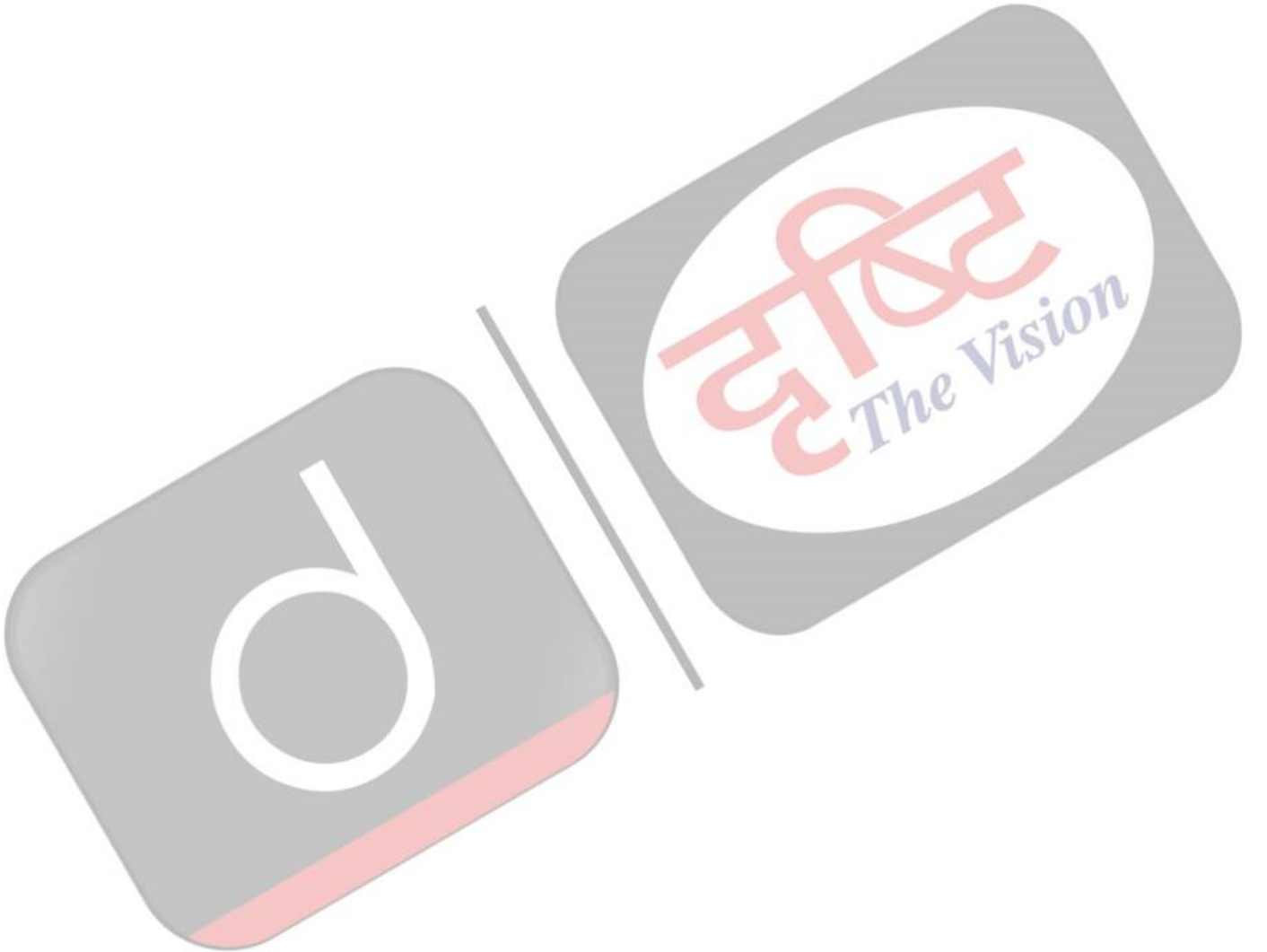
- **ला बरे टार पटिस से प्राप्त जानकारी:** ला बरे टार पटिस लॉस एंजलिस्, अमेरिका में एक वपुल हमियुग जीवाश्म स्थल है जहाँ डामर के रसिाव में फँसे हज़ारों बड़े स्तनधारियों के संरक्षित अवशेष हैं।
 - जीवाश्मों से प्राप्त प्रोटीन के अध्ययन से **लंबे समय तक सूखे और तीव्र मानव जनसंख्या वृद्धि** के कारण गर्म जलवायु के एक घातक संयोजन का पता चलता है।
 - इन कारकों ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के पारस्थितिकी तंत्र को चरम बटु पर धकेल दिया, जिससे वनस्पति और मेगा-स्तनपायी आबादी में काफी परिवर्तन हुए।
 - पछिले हमियुग के बाद जैसे-जैसे कैलिफोर्निया गर्म होता गया, परदिश्य शुष्क होता गया और जंगल कम होते गए।
 - ला बरे में **संभवतः मानव शिकार और नवासि सथान के नुकसान के संयोजन से शाकाहारी आबादी में भी गरिावट आई।** पेड़ों से जुड़ी प्रजातियाँ, जैसे ऊँट, पूरी तरह से लुप्त हो गईं।
- **एक नया प्रतमान- आग की भूमिका:** यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि **आग दक्षिणी कैलिफोर्निया में अपेक्षाकृत हाल की घटना है, आग लगने की घटना अक्सर मानव आगमन के बाद ही होती है।**
 - **तटीय कैलिफोर्निया में 90% से अधिक आग की घटनाओं का कारण मानवीय गतिविधियाँ जैसे- बजिली लाइन का गरिना और कैम्प फायर है।**
 - प्लेइस्टोसनि में वल्लिपुत्तियों और समकालीन संकटों के बीच समानता जैसे मशि्रति तनाव पारस्थितिकी तंत्र की भेद्यता को

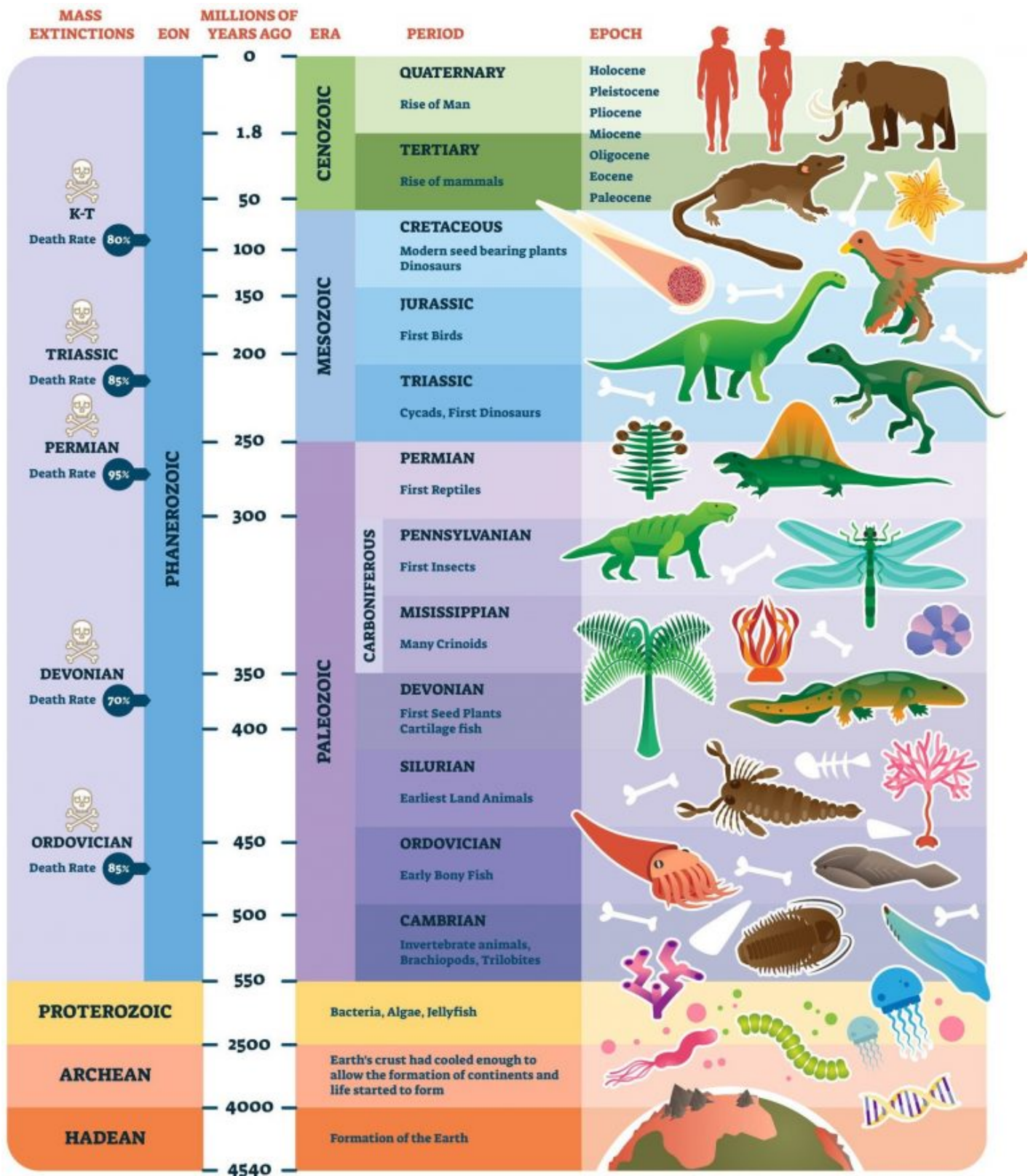
रेखांकित करते हैं।

- जलवायु और जैवविविधता संकट की प्रासंगिकता: वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, मानव जनसंख्या का वसितार, जैवविविधता हानि तथा मानव-जनति आग की घटनाएँ अतीत को प्रतबिंबित करती हैं।
 - वर्तमान में तापमान वृद्धि की दर, मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के जलने से प्रेरित, **हमियुग के अंत से कहीं अधिक** है।
 - अध्ययन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, आग की घटनाओं को रोकने और मेगाफौना की सुरक्षा के प्रयासों को तेज़ करने की आवश्यकता पर ज़ोर देता है।

भू-वैज्ञानिक काल मापक्रम:

- **भू-वैज्ञानिक काल मापक्रम** एक विशाल समयरेखा की तरह है जो हमें अपने ग्रह के इतिहास को समझने में मदद करता है।
 - जैसा प्रकार एक कैलेंडर वर्षों, महीनों और दिनों को विभाजित करता है, उसी प्रकार भू-वैज्ञानिक काल मापक्रम पृथ्वी के इतिहास को **ईयान (Eon)**, **महाकल्प (Era)**, **कल्प (Period)**, **युग (Epoch)** और **आयु (Age)** समय कर्मों में विभाजित करता है।
- ईयान को महाकल्पों में, महाकल्पों को कल्पों में, कल्पों को युगों में और युगों को आयु में विभाजित किया गया है।





भवषिय में व्यापक वलुप्तकिरण को रोकने के लयि हमारी प्राथमकिताएँ:

- समगर पारसिथतिकी तंत्र की बहाली और संरक्षण:
 - अभनिव पारसिथतिकी तंत्र मानचकिरण: पारसिथतिकी तंत्र की अवस्था का आकलन करने और बहाली के लयि महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करने हेतु उननत मानचकिरण प्रौद्योगकियों का वकिस करना ।
 - जैव-गलयारा नरिमाण: खंडलि आवासों को जोड़ने के लयि पारसिथतिकी गलयारे स्थापति करना, ताका प्रजातयों को वविधि वातावरणों में स्थानांतरति और वकिसति होने में सक्षम बनाया जा सके ।
 - नवारक संरक्षण: दीर्घकालकि पारसिथतिकी तंत्र लचीलेपन के लयि महत्त्वपूर्ण पारसिथतिकी संतुलन बनाए रखने हेतु प्रमुख प्रजातयों के संरक्षण को प्राथमकिता देना ।
- प्रजातयों के लचीलेपन के लयि संश्लेषति जीववजिज्ञान का उपयोग:
 - आनुवंशकि वृद्धि: सुभेद्य प्रजातयों के भीतर आनुवंशकि वविधिता को बढ़ाने, बदलती परसिथतियों के प्रति उनकी अनुकूलन क्षमता में वृद्धि हेतु संश्लेषति जीववजिज्ञान तकनीकों का प्रयोग करना ।
 - वकिस हेतु समरथन: प्रजातयों के अनुकूलन के लयि नयित्तरति हस्तक्षेपों के माध्यम से पर्यावरणीय बदलावों के प्रति प्रतिक्रिया को तेज़ करना ।
 - नैतिक वमिर्श: संरक्षण प्रयासों में संश्लेषति जीववजिज्ञान के उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग के लयि एक वैश्वकि नीति ढाँचा तैयार करना ।
- संसाधनों के सतत् उपयोग के लयि हरति नवाचार:
 - चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा: संसाधनों की कमी और बरबादी को कम करने के लयि चक्रीय अर्थव्यवस्थाओं (Circular Economies) को बढ़ावा देना, ताका पारसिथतिकी तंत्र पर दबाव को कम कया जा सके ।
 - बायोमिमिकिरी और सस्टेनेबल डिजाइन: उद्योगों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लयि पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद वकिसति करना ।
 - हरति अवसंरचना: टकिारु बुनयादी ढाँचे में नविश करना, जो वन्यजीवों के आवास (Habitat Destruction) को कम क्षति पहुँचाता हो, जैसे वन्यजीव-अनुकूल सड़क मार्ग के नरिमाण के माध्यम से धारणीय वकिस को बढ़ावा देना ।
- डेटा-संचालति संरक्षण प्रबंधन:
 - पूर्वानुमानति वश्लेषण: पारसिथतिकी तंत्र की गतशीलता को बनाए रखने के लयि मशीन लर्निंग और कृत्रमि बुद्धमिता का उपयोग करना, ताका व्यवधानों को रोकने के लयि समय पर हस्तक्षेप कया जा सके ।
 - वास्तवकि समय नगरानी: पारसिथतिकी तंत्र की वास्तवकि समय नगरानी और दबावकारी कारकों का शीघ्र पता लगाने के लयि रिमोट सेंसर तथा उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग करना ।
 - सीमाओं के पार सहयोगात्मक संरक्षण प्रयासों को सुवधाजनक बनाने के लयि इंटरकनेक्टेड डेटा-शेयरिंग नेटवर्क स्थापति कयि जाने की आवश्यकता है ।
- युवाओं और समुदायों का सकक्षतीकरण:
 - पर्यावरण सकिक्षा में सुधार: जैववविधिता के महत्त्व की गहरी समझ को बढ़ावा देने तथा कम आयु से ही नेतृत्व की भावना जागृत करने के लयि सक्षकि पाठ्यक्रम में सुधार करना ।
 - युवा-प्रेरति पहल: नीतयों के नरिमाण में उनके प्रभाव तथा भागीदारी को बढ़ाने के लयि युवाओं के नेतृत्व वाली संरक्षण परयोजनाओं और प्लेटफॉर्मों को प्रोत्साहति करना ।
 - सांस्कृतकि एकीकरण: सामुदायकि स्वामति और टकिारु प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए स्वदेशी एवं स्थानीय ज्ञान प्रणालयों की संरक्षण रणनीतयों में एकीकृत करना ।

स्रोत: [डाउन टू अर्थ](#)